Written by B4M
Saturday, 20 March 2010 17:21

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरू तेगबहादुर खालसा कालेज के ''स्पोर्टस इकानामिक्स □ण्ड मार्केटिंग'' और ''वेब पत्रकारिता'' के विद्यार्थियों द्वारा □कदिवसीय खेल उत्सव ''जोश'' का आयोजन किया गया□ इस उत्सव में खेल प्रतियोगिता व संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया□

संगोष्ठी का विषय राष्ट्रमंडल खेल से संबंधित था- ''खेलेगा हर कोई, जीतेगी दिल्ली''□ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार □वं सी□नईबी चैनल के सी.ई.ओ. श्री राहुल देव थे□ उन्होंने देश के विकास में खेलों की उपयोगिता पर बात करते हु□ कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि जिस कोर्स को खालसा कालेज ने शुरू किया है उसे ज्यादा से ज्यादा कालेजों द्वारा अनुसरण किया जा□□ साथ ही यह भी जरूरी है कि जो आधारभूत ढांचा राष्ट्रमंडल खेलों के लि□ तैयार किया जा रहा है उसका बेहतर उपयोग इन खेलों के बाद भी होता रहे तभी देश के विकास में इसकी सार्थक भूमिका होगी□ वह अस्थायी विकास का साधन बनकर न रह जा□□

अन्य वक्ताओं में ई□सपी□न के सौमित्र बोस ने न□ पाठ्यक्रम शुरू करने पर खालसा कालेज को बधाई देते हु□ कहा कि आज खेलों पर आधारित पाठयक्रम की अत्यंत आवश्यकता है□ यह ब□ी खुशी की बात है कि खालसा कालेज देश का ऐसा पहला कालेज है जिसने खेल और बाजार के संबंधों को पहचाना□

राष्ट्रमंडल के सलाहकार समिति के सदस्य अवनिाश सिंह ने खेल और विकास के आपसी संबंधों पर चर्चा करते हु□ कहा कि खेल के □क आयोजन से किसी भी शहर, देश के आर्थिक परिदृश्य में बहुत बदलाव आता है□ जिस तरह से आइ.पी□ल के आगमन से खेलों का आर्थिक परिदृश्य बहुत उपर चला गया है□ पैट्रोलियम मंत्रालय के अखिलेश झा ने खेल के वित्तीय पक्ष को उजागर करते हु□ कहा कि खेलों में वित्तीय आडिट के साथ सामाजिक आडिट होना भी बहुत जरूरी है, तभी खेल अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी□

कोर्स डेवलपर □वम स्पोर्टस □ंकर अर्जुन जे. चौधरी ने कालेज प्रधानाचार्य डा. जसविंदर सिंह की सार्थक भूमिका को सराहते हु□ कहा कि न□ विचार को पाजिटिव रुख अपनाना ही आधी सफलता हो जाती है□ कोर्स के सफल होने के पीछे प्रशासन की सकारात्मक सोच बहुत जरूरी है□ उन्होंने खेल और मीडिया के आपसी मजबूत संबंधों पर भी प्रकाश डाला□ साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि खेल के विकास में विज्ञापन की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है और खेलों में पैसा तभी आता है□ धन्यवाद ज्ञापन पाठयक्रम समन्वयक डा. स्मिता मिश्र ने करते हु□ कहा कि आज शिक्षा को परम्परागत विषयों से आगे बढ़ाने की जरूरत है□ प्रतियोगिताओं में जंक्यार्ड वार्स,स्पोर्ट्स क्विज, स्पोर्टस पायट्री, बास्केटबाल, क्लिकि□ पिक, आर्म रेसलिंग जैसे रोचक इवेंट आयोजित कि□ जिसमें भारी संख्या में विद्यार्थियों ने ''जोश'' में ब□च□ कर भाग लिया□